नया ज्ञानोदय

जनवरी 2017
पृष्ठ 134
30 रुपये

भारतीय ज्ञानपीठ

हर अंक विशेष

अंक जनवरी 2017

भवदीय / 5

भीतर नैन बिसाल

नामवर सिंह : आम आदमी का खुसरो / 12

शब्द निवेश

रमेश कुन्तल मेघ : अभिनव रास-लीला और आधुनिक मुनि वात्स्यायन का इन्तज़ार / 16

के.बी.एल.पांडेय : राग केदार का : सुर अग-जग के / 19

राकेश कुमार सिंह : समकालीन हिन्दी आलोचना का वैचारिक स्वरूप/ 23

क्षमा शर्मा : समकालीन स्त्री-विमर्श का चरित्र / 28

संवाद

सुप्रसिद्ध डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी से वेंकटेश कुमार की बातचीत/ 31

नया वर्ष : नयी धूप

अमिताभ खरे / 35

कथालोक :

जयनंदन : इन्द्रलोक की धरोहर / 37

कैलाश वनवासी : उसकी वापसी / 45

हुस्न तबस्सुम निहाँ : गुलमोहर ग़र तुम्हारा नाम होता! / 50

राजेश झरपुरे : जा घट प्रेम न संचरै... / 59

रीना मेनारिया : औरत, माँ और वह / 62

कविता इधर

गौतम चटर्जी / 69

द्वारिका प्रसाद चारूमित्र / 71

देवेन्द्र आर्य / 73

विनय विश्वास / 75

विजय गौड़ / 76

मिथलेश शरण चौबे / 77

नित्यानंद गायेन / 79

ब्रजेश कानूनगो / 80

अमरेन्द्र कुमार / 82

रमेश ऋतम्भर / 83

चन्द्रेश्वर पांडेय/ 84

ब्रजेश कृष्ण / 86

राजेश्वर वशिष्ठ / 87

संजय भिसे / 88

शाहनाज़ इमरानी/ 90

प्रति-स्मृति

प्रियदर्शन : बीसवीं सदी के एक सपने की मौत / 92

पार-अपार (विश्व कविता)
तुर्की कविता— अनुवादक सुरेश सलिल / 94
फिलीस्तीन कविता— अनुवादक प्रेमचन्द गाँधी / 96
लातीनी अमेरिकी कविता— अनुवादक अनिल गंगल / 98
रूसी कविता— अनुवादक विपिन चौधरी / 100
लैटवियन कविता— अनुवादक ब्रज श्रीवास्तव / 106

डायरी : वाक़िआ सख़्त है
अशोक भौमिक : जीवनपुरहाट जंक्शन-ग्यारह / 107

क़िस्सा मुख़्तसर
राजेश आहूजा : धूप-छाँव / 111
भूपेन्द्र सिंह गर्गवंशी : ऐ शहर-ए-लखनऊ
तुझे मेरा सलाम /112

थाह अथाह
ऋचा : अन्धकार के विरुद्ध रोशनी की मुकम्मल ज़िद / 114
सदाशिव श्रोत्रिय : मीरां और उसके समाज
की छानबीन / 117
अनूप सिंह : छुट्टी के दिन का कोरस / 120

इधर से देखो
अनंत विजय : जीवनी के बहाने जीवन्त कालखंड / 123

निन्दक नियरे राखिए
मुकेश कुमार : प्रभुजी, तुम स्वामी हम दासा/ 125

संग साथ
महेश्वर : बधिरों के सम्मान को समर्पित अध्यापक / 126

हमन दुनिया से यारी क्या
ज्ञान चतुर्वेदी : रिन्द के रिन्द रहे.../ 127

ख़ुशकलामियाँ / 129

चिट्ठी रसा/ 130

आयोजन/ 132

आवरण : लीलाधर मंडलोई, भीतरी रेखांकन : सीरज सक्सेना, साज-सज्जा : सीमा चौहान

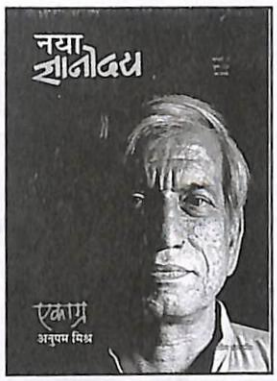

हर अंक विशेष

अंक फरवरी 2017

भवदीय / 5

एकाग्र : अनुपम मिश्र

प्रभाष जोशी : अनुपम जैसे व्यक्ति की पुण्याई पर हमारे जैसे लोग जी रहे हैं/ **8**

बनवारी : सन्यासी की वृति.../ **12**

विश्वनाथ त्रिपाठी : सहजता का साधक/ **14**

कुमार प्रशान्त : एक प्रार्थनामय जीवन.... / **15**

मिथिलेश चतुर्वेदी : ऐसा दोस्त पुण्य के बिना नहीं मिलता/ **19**

दिलीप चिंचालकर : अनुपम नाम सुभाव है/**19**

चिन्मय मिश्र : गाँधी, विनोबा और जेपी के बाद अनुपम ही थे, जिन्हें समाज पर पूरा भरोसा था/ **21**

नंदिता मिश्र : एक छोटा भाई, जो देखते-देखते इतना बड़ा हो गया/ **22**

सोपान जोशी :एक साफ़-सुथरा, अनुपम जीवन/ **24**

राकेश दीवान : नाम की सार्थकता का उदाहरण/ **25**

उमेश आनन्द: वाटर गुरु—अनुपम मिश्र/ **26**

सुशीला ओझा :पानी अपना रास्ता कभी नहीं भूलता/ **28**

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार 2016

शंख घोष : बांग्ला कविता /**30**

मूर्तिदेवी पुरस्कार 2016

एम.पी. वीरेन्द्र कुमार : केदारनाथ की ओर.../ **32**

संवाद : एम.पी. वीरेन्द्र कुमार से आरसु की बातचीत/**39**

नवलेखन पुरस्कार 2016

श्रद्धा : हवा में फड़फड़ाती चिट्टी / **44**

अमिय बिन्दु : वह कौन था/ **49**

भूमिका द्विवेदी : बोहनी / **52**

घनश्याम कुमार देवांश : डरो, वे थोड़े से पैसे, मैं मरता नहीं, नौकरी/ **56**

रश्मि भारद्वाज : भय, उधार की भाषा, यह समय है/ **58**

सुजाता : यह भी कोई दिल्ली है, ओ मेरे सुघड़ देवता, डरती हूँ, डरता है मुझसे डर भी/ **58**

संवाद : त्रिलोचन से महावीर अग्रवाल की बातचीत/ 63

अन्तकरण :

पवन करण : मनुष्य की संगत / **65**

कथालोक

रमेश दवे : घर / **71**

सुभाष शर्मा : शोध प्रतिशोध / **75**

आशा प्रभात : उसका गाँव **82**

कविता-समय

मंगलेश डबराल : नया डर, पहाड़ से मैदान, मेरा दिल / **89**

नीलेश रघुवंशी : बेखटके, एक कलाकार की माँ का आत्मकथन, मोबाइल पर बारिश, तुम्हारा जन्मदिन, विरक्ति, दरवाज़े के पार / **91**

सम-सामयिक

प्रियदर्शन : यह खोखली हिन्दी हमें खोखला कर रही है/ **95**

क़िस्सा मुख़्तसर

महेश शर्मा : शेर की सवारी/ **96**

डायरी : वाक़िआ सख़्त है

अशोक भौमिक : जीवनपुरहाट जंक्शन-बारह / **97**

थाह अथाह

प्रांजल धर : हमारे अनुपम पुरखे हैं अनुपम जी/ **101**

रणजीत दाश : प्रेम और प्रतिवाद का शंखनाद / **103**

लक्ष्मीकान्त चन्देला : माँ का गाढ़ा पीला दूध.... / **106**

विवेक कुमार मिश्र : उदास आँखों के समन्दर में/ **108**

विष्णु नागर : कविताओं में रेखांकित समय / **111**

कृष्ण वीर सिंह सिकरवार : प्रेमचन्द साहित्य का विलक्षण संग्रह / **114**

इधर से देखो

अनंत विजय : समकालीन परिदृश्य में सार्थक हस्तक्षेप / **116**

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : चोरी और नक्षत्रों का खेल / **118**

निन्दक नियरे राखिए

मुकेश कुमार : मीडिया महाठगनी हम जानी/ **120**

संग साथ

महेश्वर : क्या कुछ ऐसा हुआ था मोअन जो दड़ो में/ **121**

ख़ुशकलामियाँ / **122**

आयोजन/ **123**

हर अंक विशेष

अंक मार्च 2017

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : चाबुक / **8**

व्यंग्य

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : स्वर्ग में विचार-सभा का अधिवेशन /**11**
प्रतापनारायण मिश्र : उपाधि / **14**
विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' : दुबेजी की चिट्ठियाँ / **16**
पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' : सनकी अमीर / **19**
अमृतलाल नागर : भारतपुत्र नौरंगीलाल / **25**
गोपाल प्रसाद व्यास : ठंड : आज़ादी : समाजवाद! / **29**
हरिशंकर परसाई : टार्च बेचनेवाले / **31**
नागार्जुन : बम्भोलेनाथ **34**
श्रीलाल शुक्ल : लेखनी-विलास उर्फ लिखने की मजबूरी / **36**
शरद जोशी : मुद्रिका रहस्य उर्फ असली किस्सा कुमारी शकुन्तला का / **39**
विष्णु नागर : चिर यौवन का नुस्खा है नेता बनें /**47**
अंजनी चौहान : यथास्थिति और अंगद का पाँव / **50**
राजेन्द्र प्रसाद सक्सेना : परिसंवाद /**52**

संवाद

गगन गिल से रेखा सेठी की बातचीत /**56**
मशहूर रंग निर्देशक वामन केन्द्रे से व्योमेश शुक्ल की बातचीत / **62**

तंज़-ओ-मिज़ाह

उर्दू शायरी में व्यंग्य विनोद— प्रस्तुति : जानकीप्रसाद शर्मा /**69**

हाशिये का अस्ल रंग : एक

श्याम मुंशी : भूपाल-ओ-भोपाल/ **75**

कविता इधर

सर्वेश सिंह : बाढ़ में कवि, लौट जाओ बेटी, ऋतुसंहार/ **81**
विनय कुमार : वाइरस हैं ये सब सवाल तेरे, चाँद पे एक प्लॉट हो अपना, कल को मुमकिन है रस्म ए सियासत न हो /**85**

छन्द राग

अनूप अशेष : चैत का मैं चन्द्रमा हूँ, सोहाग-गीत /**88**
यश मालवीय : शोकसभा में बजा मोबाइल, एक चाँद ईद का, चुप्पी का पहाड़ा /**89**

अश्वघोष /90
रविदत्त मोहता : इश्क /92

ग़ज़ल

रामदरश मिश्र /93
ओम प्रभाकर /94
हबीब कैफ़ी /94
रामकुमार कृषक /95
राम मेश्राम /95
ज़हीर कुरेशी /97
वशिष्ठ अनूप /98
ज्ञानप्रकाश विवेक /98
देवेन्द्र गौतम /99
नरेन्द्र दीपक /100
लक्ष्मीनारायण पयोधि /100

अन्तःकरण

निर्मला डोसी : बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न विरल व्यक्तित्व का नाम है— रीता गांगुली/ 102

सम-सामयिक

प्रियदर्शन : मेले और समारोहों में खोया लेखक/ 108

थाह-अथाह

परमानंद श्रीवास्तव : एक राजनीतिक उपन्यास के बहाने/ 109
भोला प्रसाद सिंह : सीमाओं में आबद्ध नहीं यह— यात्रावृत्त /112
प्रांजल धर : समय का मर्मवेधी कथात्मक प्रवाह /116

ज्ञान गरिमा मानद अलंकरण पुरस्कार 2016 /119 -123

इधर से देखो

अनंत विजय : चमकते सितारों की खुल्लम-खुल्ला ज़िन्दगी /126

निन्दक नियरे राखिए

मुकेश कुमार : बिना डिस्क्लेमर की पद्मावत /128

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : देवता होने के ख़तरे/ 129

ख़ुशकलामियाँ / 131

आवरण : लीलाधर मंडलोई, भीतरी रेखांकन : राधेलाल बिजधावने, साज-सज्जा : सीमा चौहान

हर अंक विशेष

अंक अप्रैल 2017

भवदीय / 5

अभी बिल्कुल अभी
रवीश कुमार : वक्तव्य / 8

संवाद
अज्ञेय से राजेन्द्र कुमार की बातचीत/ 10
निर्मला पुतुल से रेखा सेठी की बातचीत/ 18
गुलाबो सपेरा से हरिशंकर व्यास की बातचीत/ 21

हाशिये का अस्ल रंग : दो
खपोटे से ओलम्पिक हॉकी तक/ 25

शब्द निवेश
वीरेन्द्र मोहन : जागरूक व सक्रिय नागरिक का दायित्व/ 31

मैं अपनी आवाज़ हूँ
ईशमधु तलवार : जंगल के 'राजदूत' कवि : ऋतुराज/ 37

तत्त अनूप
ओमा शर्मा : असहमति और अभिव्यक्ति के दो स्तम्भ : इरेसमस और कास्टिलिओ/ 41

ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कवि
शंख घोष की कविताएँ, अनु.: उत्पल बैनर्जी/ 44
शंख घोष की कविताएँ, अनु.: निशान्त/ 47

आखर सगुन
शंख घोष : कवि, पाठक, श्रोता/ 49

सहव्याप्ति का वह क्षण
बाँग्ला के सुप्रसिद्ध कवि शंख घोष से अरुणेश घोष की बातचीत/ 51

एकाग्र : कथेतर गद्य
ज़ाहिद ख़ान : थोड़े में बहुत कुछ कहने वाला अफ़सानानिगार / 61
देवेन्द्र मेवाड़ी : शैलेश मटियानी/ 65
हरदान हर्ष : दायें हाथ का अँगूठा/ 73
परवेश : भूख ने बड़े प्यार से पाला/ 76
विकास दुबे : मैं तो सहनशील हो गया हूँ! / 79
भारती राणे : मॉम को मोहपाश में जकड़ लेने वाली नगरी : ऍनाकाप्री/ 84

शहरनामा
वन्दना शुक्ल : पतझड़ और पेस्टल ग्रीन यादें/ 86

यात्राएँ ख़त्म नहीं होतीं

राजेन्द्र राजन : मनाली में कैम्प, राजकुमार से भेंट और रोहतांग का जादू/ 92

फैनी पार्कस् : पाल वाली नाव से भारत की यात्रा पर/ 99

कला परिसर

रणजीत साहा : कला चितेरा : जोगेन चौधुरी/ 110

थाह-अथाह

उदयभानु पांडेय : नरगिसीं कविताओं का इलहाम : हरारत में तीसरी नदी/ 114

ओम निश्चल : सधी हुई क़िस्सागोई की कैफियत/ 116

पंकज कुमार चौबे : भक्तिकाल से वर्तमान तक हिन्दी साहित्य की समग्र मीमांसा/ 118

सम-सामयिक

प्रियदर्शन : उनसे असहमत हों, उनकी उपेक्षा न करें/ 121

इधर से देखो

अनंत विजय : कभी ख़ुशी कभी ग़म की दास्तां/ 122

निन्दक नियरे राखिए

मुकेश कुमार : सन्नाटे को चीरती हुई आवाज़ें/ 124

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : सभी दिल्ली करने लगें, तो?/ 125

ख़ुशकलामियाँ/ 127

चिट्ठी रसा/ 128

आवरण : जोगेन चौधुरी, भीतरी रेखांकन : सिद्धेश्वर, साज-सज्जा : सीमा चौहान

हर अंक विशेष

अंक : मई 2017

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से
अयोध्यासिंह उपाध्याय : साहित्य सर्वस्य / 8

भीतर नैन बिसाल
मलय : बेचैन मन और ब्रह्मांड / 10

संवाद
नीलेश रघुवंशी से रेखा सेठी की बातचीत /15

शब्द निवेश
अमर्त्य सेन : ग़रीबी की अवधारणाएँ / 22

एकाग्र : साहित्य में मज़दूर
संजीव : मज़दूर आन्दोलन का सच/34
अजय तिवारी : यह मशाल बुझ न जाए /35
वैभव सिंह : हिन्दी कथाओं से झाँकती उदास आँखें /39
जीतेन्द्र गुप्ता : साहित्य में मज़दूर की मौजूदगी /44
प्रियदर्शन : मई दिवस का अवसान अब समीप है /48

विश्व कविता
फ्रेंच, अँग्रेज़ी, तुर्की, स्पानी, हंगारी, चीनी, जर्मन
चयन और अनु. सुरेश सलिल/ 50

हिन्दी कविता में मज़दूर
शमशेर, केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, भगवत रावत,
वीरेन डंगवाल / 54-57

कथालोक
रमाकान्त श्रीवास्तव : नहीं मरा रामदास / 58
पूनम मनु : कल की मज़दूर पीढ़ी / 62
राधेश्याम तिवारी : मुठभेड़ / 66
जाफ़र मेहदी जाफ़री : तंग गलियाँ / 70
शहादत : कफ़्र्यू / 73

कला परिसर
लीलाधर मंडलोई : विचार के गायक : कुमार गन्धर्व / 77

गायिका किशोरी अमोनकर को श्रद्धांजलि (कविताएँ)
वीरेन्द्र आज़म : किशोरी ताई कहाँ हो तुम /80
शबनम राठी : तुम-कशोरी अमोनकर /81

संवाद परिणति : स्थायी रेखांकन में दर्द की भूमिका अटूट
नीरज दइया की चित्रकार-सीरज सक्सेना से बातचीत के आधार पर /82

हाशिये का अस्ल रंग : तीन
श्याम मुंशी : पहलवानी का हुनर और भोपाल /98

कविता समय
पवन करण /91
संजय कुन्दन /95
दिनकर कुमार /98

बीज की आवाज़
अम्बर कुमार चौधरी/ 100

अन्तःभारती
दिलीप चित्रे : झरोखा /102

थाह अथाह
राज पाठक : भीष्म साहनी : समग्र मूल्यांकन /103
पल्लव : लौटकर आना नहीं होगा / 106
हरियश राय : मनुष्यता और आस्था की खोज /108
रवीन्द्र त्रिपाठी : भक्तिकाव्य की पेचीदगियाँ /110

किस्सा-मुख़्तसर
अमिताभ शंकर राय चौधरी : बसन्ती बयार /113

इधर से देखो
अनंत विजय : आशा की सुरगाथा /114

निन्दक नियरे राखिए
मुकेश कुमार : आत्मघाती धमाकों में उड़ता मीडिया /115

हमन दुनिया से यारी क्या
ज्ञान चतुर्वेदी : गुमशुदा/ 116

चिट्ठी रसा /118

आवरण : प्रीति भटनागर, भीतरी रेखांकन : दीप्ति कुशवाह, साज-सज्जा : सीमा चौहान

हर अंक विशेष

अंक जून 2017

भवदीय / 5

वक्तव्य

52वें ज्ञानपीठ सम्मान-2016 के अवसर पर उद्‌बोधन— श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के राष्ट्रपति / **8**

52वें ज्ञानपीठ सम्मान-2016 के अवसर पर वक्तव्य—श्री शंख घोष / **9**

पुरखों के कोठार से

आनन्द नारायण शर्मा : हिन्दी कविता में प्रकृति चित्रण /**10**

तत्त अनूप

ध्रुव शुक्ल : हम जो समझा किये / **15**

संवाद

अनामिका से रेखा सेठी की बातचीत / **18**

अन्तःकरण

स्मरण—विनोद खन्ना : अमिताभ बच्चन/ **25**

पार अपार

रूसी : अन्तोन चेखव— इतना बड़ा दुख /**27**

अँग्रेज़ी : स्टीफ़न लिकाक— मुरव्वत / **30**

फ्रेंच : गॉय डि मोपासाँ— सोच / **32**

कैनेडियन : एलिस मुनरो— आकृतियाँ / **36**

पाकिस्तानी (उर्दू-पंजाबी कहानी): ख़ालिद फ़रहाद धालीवाल— माँस, मिट्टी और माया / **43**

अमेरिकी : पैट्रीशिया हाईस्मिथ— डांसर / **49**

रूसी: इज़ाक बेबल— प्रथम पारिश्रमिक / **51**

तुर्की : ओरहन पामुक— लड़की भगाना कोई बच्चों का खेल नहीं / **56**

शब्द निवेश

महेन्द्र राजा जैन : येवजेनी येवतुशेन्को : कविता और जीवन में कोई अन्तर नहीं / **61**

कविताएँ

फ्रेंच : पॉल वरलेन / **63**

पोलिश : विस्वावा शिंबोर्स्का / **64**

जापानी : साकामोतो हात्सुमि, काकिता केइको, सातो तोमोको, ताओ किनुए / **65**

नाटक

एक पाठक : मैक्सिम गोर्की की कहानी नाट्य रूपान्तर : राजा खुगशाल / **66**

कला परिसर
विनोद कपूर : दुख को छिपाती हुई मुस्कान : दिलीप कुमार / 76

हाशिये का अस्ल रंग : चार
श्याम मुंशी : मूसीक़ी, सिर्फ़ नक्शे-क़दम रह गये / 80

कविता इधर
तेजेंदर सिंह लूथरा / 89
अनिल अनलहातु / 90
मजीद अहमद / 93
सोनी पांडेय / 94
श्री श्री काया / 96
पीयूष दईया / 99

थाह-अथाह
उमा साह : देवराज : एक विचार बिम्ब / 102
एस.आर.तिवारी : साठोत्तर व्यंग्य और श्रीलाल शुक्ल / 104
मनीषा कुलश्रेष्ठ : इच्छा नदी के पुल पर मरुथल की बेटी / 106
प्रांजल धर : गहरे प्रेम की कविताएँ / 109
प्रेमशंकर रघुवंशी : सुनहरे भविष्य का स्वप्निल संसार / 110
राजीव कुमार : समकालीनता का स्याह / 113
साधना अग्रवाल : यादों के गलियारे में / 115

किस्सा मुख़्तसर : किशन लाल शर्मा / 118

इधर से देखो
अनंत विजय : पचास साल बाद खुले राज / 119

निन्दक नियरे राखिए
मुकेश कुमार : मीडिया-गणतन्त्र के देवी-देवता / 120

सम-सामयिक
प्रियदर्शन : साहित्य में मिली विश्व नागरिकता / 122

हमन दुनिया से यारी क्या
ज्ञान चतुर्वेदी : वानप्रस्थ का विचार / 124

चिट्ठी रसा / 125

ख़ुशकलामियाँ / 126

आवरण : **महेश्वर**, भीतरी रेखांकन : **शिशिर कुमार लाल**, साज-सज्जा : **सीमा चौहान**

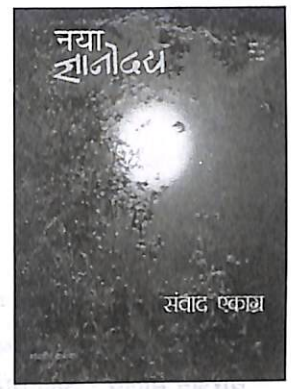

हर अंक विशेष

अंक जुलाई 2017

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से
केशवचन्द्र वर्मा : ठुमरी / 9

भीतर नैन बिसाल
जानकीप्रसाद शर्मा : ग़ालिब की फ़ारसी मस्नवी 'चिराग़-ए-दैर' / 11

कथालोक
नरेन्द्र नागदेव : हाउस ऑफ लस्ट / 18
पंकज सुबीर : जनाब सलीम लँगड़े और श्रीमती शीला देवी की जवानी / 27
रूपनारायण सोनकर : ई.वी.एम. / 35
विवेक मिश्र : स्वर लहरी / 37

एकाग्र : संवाद
नन्दकिशोर आचार्य से लहरीराम मीणा की बातचीत / 43
प्रख्यात कवि लीलाधर जगूड़ी से कवि नरेश चन्द्रकर की बातचीत / 51
वरिष्ठ कवि मंगलेश डबराल से रोहित कौशिक की बातचीत / 60
अनुवादक रतन चौहान से जयशंकर प्रसाद की कामायनी के अँग्रेज़ी अनुवाद पर बातचीत / 64
सविता सिंह से रेखा सेठी की बातचीत / 69

कविता समय
उमाशंकर चौधरी / 80
सुरेश सेन निशान्त / 82
रमेश अनुपम / 84

बीज की आवाज़
प्रीति कुमारी / 86

अन्तःकरण
शैलेन्द्र शैल : दर्द आएगा दबे पाँव... / 87
जीवन सिंह ठाकुर : माँ का आशीर्वाद / 95
शर्मिला बोहरा जालान : मैं जिन अशोकजी को जानती थी / 97

कला परिसर
शरद दत्त : सिनेमा और साहित्य का अनुपमेय संगम / 100
शशांक शेखर : दास्ताने मीना कुमारी / 103

हाशिये का अस्ल रंग : पाँच
श्याम मुंशी : आज के विज्ञापन, तब के मजमागीर.../ 104

थाह अथाह

रवीन्द्र त्रिपाठी : कविता में किस्से / 108

राजेश जोशी : बिखरता बनता जीवन का ताना-बाना / 115

धीरंजन मालवे : आदिवासी संस्कृतियों का ख़ूबसूरत कोलाज / 116

राकी गर्ग : जल थल मल / 117

किस्सा मुख़्तसर

सत्य शुचि : स्नेहिल स्पर्शों का साथ, मोहबद्ध / 120

इधर से देखो

अनंत विजय : कल्पना और घटना का बोझिल कोलाज / 121

निन्दक नियरे राखिए

मुकेश कुमार : लोकतन्त्र की पीठ पर सत्ता का चाबुक / 122

सम-सामयिक

प्रियदर्शन : क्योंकि जीवन को बचाती हैं कलाएँ / 123

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : प्रश्नाकुल / 125

ख़ुशकलामियाँ / 127

चिट्ठी रसा / 128

आवरण : महेश्वर, भीतरी रेखांकन : शैलेन्द्र सरस्वती. साज-सज्जा : सीमा चौहान

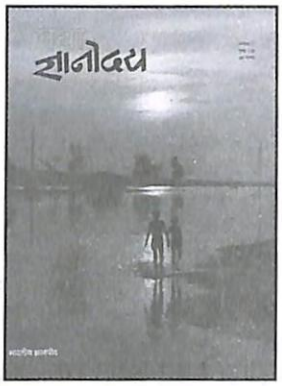

हर अंक विशेष

अंक अगस्त 2017

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

शरच्चन्द्र माधव मुक्तिबोध : मेरे बड़े भाई (प्रस्तुति-पीयूष दईया) / 7

भीतर नैन बिसाल

नामवर सिंह : उपनिवेशवादी स्वच्छन्दतावाद और आधुनिकता की चुनौतियाँ / 13

तत्त अनूप

ज्ञानरंजन : हमारे छोटे से समय का बड़ा शीशा / 21

संवाद

सुप्रसिद्ध कवि-लेखक अजित कुमार से वेंकटेश कुमार की बातचीत/ 24

सुपरिचित कवयित्री कात्यायनी से रेखा सेठी की बातचीत / 33

सजल मन वह

भीष्म साहनी : मेरी साहित्य यात्रा / 42

स्वतन्त्रता दिवस पर विशेष

राहुल राजेश : देशभक्ति के जज़्बे से लबरेज़ कविता है— 'पुष्प की अभिलाषा' / 51

शब्द निवेश

रमा : सोशल मीडिया की भाषा / 55

कथालोक

बलराम : कारा / 58

कुन्दन सिंह परिहार : शुभचिन्तक / 66

जयशंकर : रिश्ते / 69

अन्तःभारती

नूरजहाँ एम. काची : कन्या (उर्दू कहानी) / 75

मणिका देवी : बूढ़े ने कहा... (असमिया कहानी) / 77

लोक मंगल

सुरेश्वर त्रिपाठी : परिन्दों के लिए पूरी धरती ही आशियाना है / 80

कविता इधर

विजय गुप्त / 85

सदानन्द शाही / 86

विनय कुमार / 89

पार अपार (ग्रीक कविता)

इफ्रोसिनी विजोविटोउ : अनु.: अनिल मिश्र / 91

कला परिसार
इकबाल रिज़वी : लोग उन्हें पूजने लगे थे / 93

हाशिये का अस्ल रंग : छह
भोपाल के कुछ गली-मोहल्ले / 95

थाह अथाह
महेश कटारे : दोगलेपन को तोड़ने की कोशिश... / 101
मीनाक्षी जोशी : संवेदना, सपने और सच्चाई का संघर्ष राग / 103
प्रभुदयाल मिश्र : 'और फिर' : दो हज़ार साल पुराने भारत की साहसिक शोध-यात्रा / 106
यशस्विनी पांडेय : गोविन्द की गति गोविन्द / 108
राकेश कुमार सिंह : जीवन की साँझ की झिलमिल में / 110
विकास कुमार यादव : गोबिन्द प्रसाद का काव्य संसार / 112

किस्सा मुख़्तसर
मनीष कुमार सिंह : संवेदना और पैसा / 115
रविशंकर सिंह : भरोसा / 115

इधर से देखो
अनंत विजय : गहनों से परिभाषित प्रेम / 116

निन्दक नियरे राखिए
मुकेश कुमार : ऐसी वरिष्ठता से तो तौबा-तौबा! / 117

सम-सामयिक
प्रियदर्शन : हिन्दी को कौन बचाएगा? / 118

हमन दुनिया से यारी क्या
प्यार और फफूँद / 120

चम्पारण शताब्दी सन्दर्भ : कुछ दस्तावेज़ी पत्र / 122

ख़शकलामियाँ / 123

आवरण चित्र : मनोहर काजल, आवरण-सज्जा : महेश्वर, भीतरी रेखांकन : अनुप्रिया, साज-सज्जा : सीमा चौहान

हर अंक विशेष

अंक सितम्बर 2017

भवदीय / 5

हिन्दी नवजागरण : दो विभूतियाँ

मंगलमूर्ति : शिवपूजन सहाय और राहुल सांकृत्यायन का पारस्परिक जीवन / 8

विभूति एक : आचार्य शिवपूजन सहाय

पुरखों के कोठार से

नलिन त्रिलोचन शर्मा : आचार्य शिवपूजन सहाय / 13

रामविलास शर्मा : हिन्दू भूषण बाबू शिवपूजन सहाय / 16

हजारी प्रसाद द्विवेदी : शिवजी : विनय और शील के मूर्तिमान रूप / 18

भीतर नैन बिसाल

नन्दकिशोर नवल : शिवपूजन सहाय की गद्य कला / 19

कर्मेन्दु शिशिर : आचार्य शिवपूजन सहाय का रचनात्मक लेखन/ 26

इतने पास अपने

शिवपूजन सहाय की नज़र में

शिवपूजन सहाय : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र / 32

शिवपूजन सहाय : आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी / 35

शिवपूजन सहाय : पूज्य निराला जी / 39

शिवपूजन सहाय : प्रेमचन्द जी/ 47

शिवपूजन सहाय : पूज्य पराड़कर जी/ 52

शिवपूजन सहाय : साहित्य और विज्ञान/ 56

शिवपूजन सहाय : दिगम्बरत्व की प्राचीनता / 58

अब दिल है घर हमारा : भाषा साहित्य

शिवपूजन सहाय : हिन्दी और हिन्दुस्तानी / 62

शिवपूजन सहाय : राष्ट्रभाषा और उर्दू / 65

कथालोक

शिवपूजन सहाय : पाँड़े जी का प्रापंच / 68

विभूति दो : महापंडित राहुल सांकृत्यायन

सहव्याप्ति का वह क्षण

राहुल सांकृत्यायन : तारुण्य में वैराग्य का भूत / 72

मेरी साहित्य यात्रा : पहला पन्ना

राहुल सांकृत्यायन : मैं कहानी लेखक कैसे बना / 78

अनूप स्मृति : राहुल सांकृत्यायन

बाबा पृथ्वी सिंह 'आज़ादी' : महापंडित राहुल सांकृत्यायन की सुनहरी याद में / 81

भगवतशरण उपाध्याय : भारतीय अनुसन्धाता राहुल / 84

हर अंक विशेष

अंक अक्टूबर 2017

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से
श्यामा देवी : प्रेमचन्द परिवार में मेरे वे दिन / 10

भीतर नैन बिसाल
राजी सेठ : कथा चिन्तन–ज़मीन की बात / 13

शब्द निवेश
अर्चना वर्मा : मौजूदा रुझानों में कहानी के स्त्री–स्वर का सच / 17

संवाद
मृदुला गर्ग से मारियाना यान्यीच की बातचीत / 21
चित्रा मुद्गल से तरसेम गुजराल की बातचीत /31

कहानी के स्त्री स्वर का सच
मैत्रेयी पुष्पा : स्त्री कथा की आधारभूमि प्रेम है और यही उसकी अस्मिता है / 38
किरण अग्रवाल : स्त्री स्वतन्त्रता सिर्फ़ यौन मुक्ति नहीं है/ 41
आशा प्रभात : यह स्त्रियों के संघर्ष का संक्रमणकाल है/ 43
बलवन्त कौर : सफ़र लिखने से लेकर जीने तक का / 45

सबद विवेक
ज्योति चावला : ऐ लड़की: अपनी महीन बुनावट में स्त्री विमर्श का तरल दस्तावेज़ / 47

कथालोक
निर्मला भुराड़िया : बाप बेटी/ 57
गीता श्री : आई वाज़ रेप्ड टूवाइस /61
इन्दिरा दांगी : गुड़ की डली / 70
प्रज्ञा : उलझी यादों के रेशम / 75
उपासना : सर्वाइवल / 82
तसनीम खान : मेरे हिस्से की चाँदनी / 87
दिव्या विजय : प्रेम पंथ ऐसो कठिन / 91
प्रज्ञा पांडेय : ऑफ व्हाइट / 100

चाहते थे कि बने रेत का घर पानी में
क्षमा शर्मा : अधूरा ही लगता है इकतालीस सालों का सफ़र /105
जयंती रंगनाथन : मेरे अन्दर की वो बदमाश लड़की / 106
नीला प्रसाद : जो चेतन में आया, वो लेखन में जगह नहीं बना पाया /109

कविता का स्त्री स्वर

रश्मि रमानी / 111
सोनी पांडेय / 112
कविता मुकेश / 114
स्मिता सिन्हा / 115
प्रतिभा गोटीवाले / 116
भावना / 117
पंखुरी सिन्हा / 118
अनुराधा सिंह / 121
लवली गोस्वामी / 122
सोनिया बहुखंडी गौड़ / 124
चित्रा देसाई / 125
राकी गर्ग / 126

कला परिसर

सुधा अरोड़ा : हिन्दी सिनेमा : बदलती स्त्री छवि / 127
विजय शर्मा : पुनश्च : सिर उठाकर जीने की तमन्ना / 133

थाह-अथाह

नेहा साव : स्त्री उन्मुक्तता की गाथा : सीट नम्बर छह/ 137
सुधा उपाध्याय : पतनशील पत्नियों के नाम / 140
सुनीता गुप्ता : टोकरी में दिगन्त : कल, आज और कल का सम्मिलन / 142
सुषमा मुनीन्द्र : कुछ ख़्वाहिशें पूरी और कुछ रह गयीं अधूरी / 145

कहानियों पर पाठकीय प्रतिक्रियाएँ

कहानी— हाउस ऑफ लस्ट / 147
कहानी— जनाब सलीम लंगड़े ..../ 149
कहानी— स्वर लहरी / 150

क़िस्सा मुख़्तसर

सन्ध्या तिवारी : सम्मोहित / 151
सीमा जैन : बचपन / 151
उपमा शर्मा : बदलते दृष्टिकोण / 152
लता अग्रवाल : ममता का भेद / 152
संगीता शर्मा : दुख / 153
सुजाता शिवेन : मैं निर्दोष हूँ / 153
अंकुश्री : बुझा हुआ दीया / 154
मीरा जैन : आगन्तुक /154

नामवर के त्रिलोचन : हीरालाल नागर /155

आवरण चित्र : लीलाधर मंडलोई, आवरण : महेश्वर, भीतरी रेखांकन : निर्देश निधि, साज-सज्जा : सीमा चौहान

कमला सांकृत्यायन : महापंडित राहुल सांकृत्यायन और भारत के नेत्रहीन / 86
भीष्म साहनी : राहुल जी : कुछ यादें / 89
नागार्जुन : टिहरी से नेलंड्. / 92
विष्णुचन्द्र शर्मा : कम्युनिस्ट समाज के सपने / 98

आखर सगुन : लेख
राहुल सांकृत्यायन : वैज्ञानिक भौतिकवाद / 102

यात्राएँ कभी ख़त्म नहीं होतीं अर्थात् घुमक्कड़ शास्त्र
राहुल सांकृत्यायन : घुमक्कड़ जातियों के बीच / 104

अपनी ज़मीन : वोल्गा से गंगा
राहुल सांकृत्यायन : निशा / 109

भीतर नैन बिसाल
हितेन्द्र पटेल : राहुल सांस्कृत्यायन के आज़ाद भारत के संघर्ष के कुछ सन्दर्भ/ 115

पत्र चर्चा
राहुल सांस्कृत्यायन का पत्र शिवपूजन बाबू के नाम / 119
दुलारेलाल भार्गव का पत्र शिवपूजन सहाय के नाम / 119
ईश्वरीप्रसाद शर्मा का पत्र शिवपूजन बाबू के नाम / 119
प्रेमचन्द का पत्र शिवपूजन बाबू के नाम/ 120
महादेवप्रसाद सेठ का पत्र शिवपूजन बाबू के नाम/ 120

स्मरण :चन्द्रकान्त देवताले
विष्णु नागर : विषाद में कविता / 121

अन्तिम रचना :चन्द्रकान्त देवताले
छः दशक से अदना सहचर मुक्तिबोध का / 124

आवरण : महेश्वर, भीतरी रेखांकन : अरविन्द मिश्र, साज-सज्जा : सीमा चौहान

हर अंक विशेष

अंक नवम्बर 2017

भवदीय / 5

स्मरण— मुक्तिबोध जन्मशती सन्दर्भ

अज्ञेय : आत्मा के मित्र को स्नेहांजलि (प्र.:पीयूष दईया) / 8
छबिल कुमार मेहेर : साँझ उतरी रंग लेकर उदासी का / 10
कृष्णदत्त शर्मा : कवि सुमित्रानन्दन पन्त : मुक्तिबोध की दृष्टि में /19

शब्द निवेश

मैनेजर पांडेय : संस्कृति और धर्म का जनतन्त्र / 24
सुरेश सलिल : 'बुलबुले-बाग़े-वफ़ा हूँ मैं वली'— दकन के महान शाइर 'वली की शाइरी'/ 29
जितेन्द्र भाटिया : किसी एक शहर का नाम लो! / 33
जयश्री सिंह : महानगर की धड़कनों में कविता / 38

कविता समय

विनोद कुमार शुक्ल / 43

संवाद

सुशीला टाकभौरे से रेखा सेठी की बातचीत /45

नाटक

मृत्युंजय प्रभाकर : आषाढ़ के तीन दिन / 54

बाल दिवस पर विशेष

प्रकाश मनु : रघुवीर सहाय— एक शीर्ष कवि का बाल संसार /84
प्रभाकिरण जैन : बाल साहित्य सृजन और मंथन /89

कविता इधर

उपेन्द्र कुमार / 92
पंकज राग / 93
ब्रजेश अम्बर / 95
जुगल किशोर सर्राफ / 96

हाशिये का अस्ल रंग : सात

श्याम मुंशी : भोपाल की पटिया तहज़ीब और पर्देदारी / 97

थाह-अथाह

ओम निश्चल : कविता में नयी बेचैनी /101
अरुण होता : व्यापक संवेदना और रेडिकल भावभूमि की कविताएँ /104

प्रांजल धर : हाशिये की दंश भरी कविताएँ / 108
निशान्त : छोटी कविताओं का महत्त्वपूर्ण संग्रह / 109
जितेन्द्र बिसारिया : मानवीय निष्ठा, संघर्ष और सौहार्द्र पर इकबालिया बयान / 112
अजय मेहताब : निराशा के अन्धकार में उम्मीद... / 115
ज्ञान चतुर्वेदी : स्वप्नदर्शी : रोचक तथा प्रेरणास्पद /117

इधर से देखो
अनंत विजय : इन्दिरा की ग़ैर पारम्परिक छवि-निर्माण /118

निन्दक नियरे राखिए
मुकेश कुमार : मीडिया लिंचिंग के स्वैच्छिक शिकार /119

सम-सामयिक
प्रियदर्शन : इस स्त्री का सम्मान करना सीखो / 120

हमन दुनिया से यारी क्या
ज्ञान चतुर्वेदी : पकड़ बनाना /122

ख़ुशकलामियाँ / 124
चिट्ठी रसा / 125

आवरण चित्र : लीलाधर मंडलोई, आवरण : महेश्वर, भीतरी रेखांकन : सुभाष केकरे, साज-सज्जा : सीमा चौहान

हर अंक विशेष

अंक दिसम्बर 2017

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

बाबू गुलाबराय : सौन्दर्यानुभूति / 7

संवाद

शीर्ष कथाकार कृष्णा सोबती से हीरालाल नागर की बातचीत / 10

कृष्णा सोबती से रत्नावली कौशिक की बातचीत / 13

स्मरण

विष्णु नागर : रघुवीर सहाय और लखनऊ लेखक संघ / 16

स्मृति शेष

ओम निश्चल : कुँवर नारायण : एक कवि की वसीयत / 20

भोपाल गैस त्रासदी

राजेश बादल : क़लम से निकली कराह / 25

एकाग्र : अन्ता-भारती

बांग्ला : महाश्वेता देवी— भात / 30

तमिल : वैरमुत्तू— जच्चा भी मैं, दाई भी मैं / 36

तेलुगु : रा.वि.शास्त्री— धोखा / 39

मलयालम : चन्द्रमति— पाँचवीं का आगमन / 44

कन्नड़ : के.वी.पुट्टप्पा— मीनाक्षी के मास्टर / 48

ओड़िया : प्रतिभा राय— अल्पना अंकित दीवार / 55

मराठी : शुभांगी भडभडे— गोदना / 64

गुजराती : ईवा डेव— तरंगिणी का सपना / 73

असमिया : रत्ना भराली तालुकदार— शून्य नहीं है... / 77

सिन्धी : तारिक़ अशरफ़— घाव / 84

राजस्थानी : मीठेश निर्मोही— गवाही / 87

डोगरी : कृष्ण शर्मा— दिहाड़ीदार / 93

पंजाबी : गुरमीत कडियावली—कुरुक्षेत्र / 97

उर्दू : सआदत हसन मंटो— शहीद साज़ / 101

हिन्दी : राबिक सदा— जेब में कसमसाते हाथ / 105

कविता इधर

अनिल मिश्र : नया मकान और पहचान, पुश्तैनी कच्चा मकान, बदलते रहे घर-शहर / 108

कला परिसर

रवीन्द्र त्रिपाठी : हर रंग एक मुखौटा है... / 111

थाह-अथाह

अविचल गौतम : भारतीय अस्मिता का प्रश्न है-हिन्दी / 114

नवल किशोर प्रसाद श्रीवास्तव : काव्यांगन- जीवन दर्शन का विश्लेषण / 117

इधर से देखो

अनंत विजय : याददाश्त के ख़जाने से निकले दस्तावेज / 120

निन्दक नियरे राखिए

मुकेश कुमार : संस्कारी पत्रकारों की निर्माण-शालाएँ / 122

सम-सामयिक

प्रियदर्शन : हिन्दी की चिर युवा लेखिका / 124

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : चरित्र निर्माण में पैसा पीटना / 125

ख़ुशकलामियाँ / 127

चिट्ठी रसा / 128

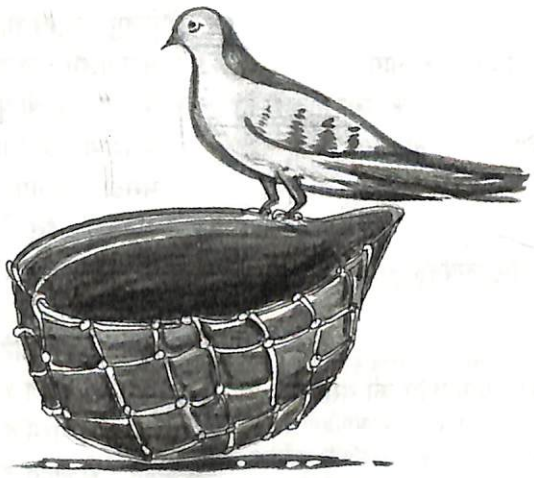

आवरण : महेश्वर, भीतरी रेखांकन : शिशिर कुमार लाल, साज-सज्जा : सीमा चौहान